9 जून, 2010 को क्रोएशिया के राष्ट्रपति द्वारा आयोजित भोज में भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री मो. हामिद अंसारी द्वारा दिया गया शुभकामना-भाषण

मैं और मेरी पत्नी, हमारे यहां पहुंचने पर हमें और हमारे प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों को मिले हार्दिक स्वागत और भरपूर आतिथ्य से अभिभूत हैं। क्रोएशिया में हमें आकर बहुत खुशी हुई जो अपनी सुंदरता तथा कला, साहित्य और संस्कृति के प्रति अपने योगदान के लिए प्रसिद्ध है।

महामहिम,

भारत और क्रोएशिया के बीच संबंध पूर्व युगोस्लाविया के दिनों से ही मैत्रीपूर्ण रहे हैं जब हमारे नेता जवाहरलाल नेहरू और राष्ट्रपति जोसिप टीटो ने अन्य नेताओं के साथ मिलकर गुटनिरपेक्ष आंदोलन की शुरूआत की थी। गुटनिरपेक्षता एक ऐसी सशक्त विचारधारा थी जिससे उन सभी राष्ट्रों के हितों की रक्षा हुई जिन्होंने उस समय की बड़ी शक्तियों की टकराव पैदा करने वाली राजनीति में शामिल होने से इन्कार कर दिया था। यह एक ऐसी विचारधारा है जो आज के उभरते बहु-ध्रुवीय परिदृश्य में अत्यंत प्रासंगिक है।

वर्ष 1776 से 13 वर्षों तक दक्षिण भारत में रह कर भारत संबंधी अध्ययन की क्रोएशियाई परम्परा के प्रवर्तक रहे फिलिप वेजडिन के नाम से लोकप्रिय पालिनस ए सैंक्टो बार्थीलोनियो को श्रद्धांजलि देना चाहता हूं। वह एक अनुभवी विद्वान थे जिन्होंने पूरे मालाबार क्षेत्र की यात्रा कर समाज के सभी वर्ग के लोगों, मछुआरे से लेकर त्रावणकोर के राजाओं तक, से मुलाकात की। उन्होंने भारतीय संस्कृति पर अनेक पुस्तक और पत्र, जिनका विषय क्षेत्र संस्कृत व्याकरण से लेकर भारतीय

वनस्पतिशास्त्र तक था, प्रकाशित किए। मुझे यह जानकर खुशी हुई की युनिवर्सिटी ऑफ ज़गरेब स्थित सेण्टर फॉर इण्डोलॉजी ऐसे अध्ययनों को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित कर रहा है।

वर्ष-दर-वर्ष हमारे मैत्रीपूर्ण संबंध सुदृढ़ हुए हैं और बहुदेशीय मंचों पर अनेक द्विपक्षीय करारों और सहयोग समझौतों पर हस्ताक्षर होने से इनमें व्यापक प्रगाढ़ता आई है। आपके स्पीकर के नेतृत्व में एक संसदीय शिष्टमंडल के हाल के भारत दौरे से हमारे दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच बहुमुखी सहयोग को एक नया आयाम मिला है। मुझे आशा है कि आज के हमारे विचार-विमर्श तथा शेष यात्रा के दौरान निर्धारित विचार-विमर्श से सहयोग के नए अवसर प्राप्त होंगे और हमारे मैत्रीपूर्ण संबंध सुदृढ़ होंगे।

महामहिम,

मैं हाल के वर्षों में क्रोएशिया की त्वरित प्रगति को देखकर खुश हूं क्योंकि यह यूरोपीय संघ का एक हिस्सा है जिसके साथ भारत की कार्यनीतिक साझेदारी है। जैसा कि हमने विचार-विमर्श के दौरान पाया है हमारे पास अपने व्यवसाय को विस्तृत करने के कई अवसर उपलब्ध हैं। विगत दो वर्षों में हमारी अर्थव्यवस्था के प्रबंधन से हमें हमारे विकास की गति पर अप्रत्याशित वैश्विक वित्तीय संकट के प्रभाव को कम करने में मदद मिली है। चार वर्षों तक 9 प्रतिशत की अप्रत्याशित औसत से विकसित होने के बाद वर्ष 2008-09 में अर्थव्यवस्था की वृद्धि की गति कम होकर 6.5 प्रतिशत हो गई और फिर वर्ष 2009-10 में यह बढ़कर 7.4 प्रतिशत तक पहुंच गई। अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष 2010-11 में अर्थव्यवस्था 8.5 प्रतिशत की दर पर बढेगी। यह हमारी अर्थव्यवस्था के मजबूत आधार को परिलक्षित करता है।

मेरी दृढ़ आशा है कि हमारे दोनों देश अपनी-अपनी ताकत और क्षमताओं के बल पर आने वाले वर्षों में सार्थक एवं एक दूसरे के लिए लाभकर साझेदारी विकसित करेंगे।

महामहिम,

आज की चुनौतियां किसी देश विशेष तक सीमित नहीं हैं। हाल में भारत एवं अन्य देशों में घटी आतंकवादी घटनाएं इस बात का अशुभ संकेत हैं कि आतंकवाद की महाविपत्ति हर प्रकार के सभ्य जीवन के लिए बाधक है। इसकी कोई सीमा नहीं है और यह अंतर्राष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती है। हमें हर तरह के आतंकवाद को जड़ से समाप्त करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को सुदृढ़ करने हेतु अपने सामूहिक प्रयासों को अवश्य जारी रखना चाहिए और इन प्रयासों में नई जान डालनी चाहिए। आतंकवादियों के सुरक्षित ठिकानों को खत्म करने के लिए त्वरित एवं विश्वसनीय कदम उठाए जाने चाहिए। आतंकवाद के विरूद्ध वैश्विक मतैक्य तथा ऐसी विधिक प्रणाली को सुदृढ़ करने की तत्काल आवश्यक है जिसमें लंबे समय से संयुक्त राष्ट्र में विलंबित अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद संबंधी व्यापक अभिसमय को शीघ्र अंगीकृत किया जाना शामिल है।

गणमान्य अतिथिगण, आइए, हम सब खड़े होकर

⇒ महामहिम राष्ट्रपति इवो जोसिपोविक और मैडम तैत्जाना जोसिपोविक के अच्छे स्वास्थ्य एवं उनकी सतत् सफलता;

⇒ क्रोएशिया की शांति एवं समृद्धि; और

⇒ भारत और क्रोएशिया के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों की कामना करें।